भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
20.08.2025 के
तारांकित प्रश्न सं. 391 का उत्तर

थेनी और एरुमेली के बीच बड़ी लाइन का निर्माण

*391. डॉ. गणपथी राजकुमार पी.:
श्री तमिलसेल्वन थंगा:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या थेनी और एरुमेली के बीच बड़ी रेल लाइन के निर्माण के लिए सर्वेक्षण कार्य/स्थल चयन संबंधी अध्ययन हेतु निविदा जारी की गई है;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके लिए कितनी धनराशि आवंटित की गई है; और

(ग) सरकार द्वारा उक्त परियोजना को प्रारंभ/पूरा करने हेतु निर्धारित समय-सीमा, यदि कोई हो, का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

*****

दिनांक 20.08.2025 को लोक सभा के तारांकित प्रश्न सं. 391 के भाग (क) से (ग) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (ग): थेनी-एरुमेली नई लाइन (95 किलोमीटर) की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने के लिए सर्वेक्षण को स्वीकृति दे दी गई है।

विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार होने के बाद, परियोजना की स्वीकृति के लिए राज्य सरकारों सहित विभिन्न हितधारकों के साथ परामर्श और नीति आयोग, वित्त मंत्रालय आदि से आवश्यक अनुमोदन अपेक्षित होते हैं। चूंकि परियोजनाएं स्वीकृत करना सतत और गतिशील प्रक्रिया है, इसलिए कोई निश्चित समय-सीमा तय नहीं की जा सकती है।

तमिलनाडु

हाल के वर्षों में बजट आवंटन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों हेतु बजट आबंटन निम्नानुसार हैः-

अवधि	परिव्यय
2009-14	₹879 करोड़ प्रति वर्ष
2025-26	₹6,626 करोड़ (7.5 गुना से अधिक)

तमिलनाडु में रेल परियोजनाएं भारतीय रेल के दक्षिण रेलवे, दक्षिण मध्य रेलवे और दक्षिण पश्चिम रेलवे जोनों के अंतर्गत आती हैं। रेल परियोजनाओं का क्षेत्रीय रेल-वार ब्यौरा भारतीय रेल की वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराया जाता है।

01.04.2025 की स्थिति के अनुसार, तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली 22,808 करोड़ रुपए की लागत वाली कुल 1,700 किलोमीटर लंबाई की 15 परियोजनाएं (9 नई लाइन, 03 आमान परिवर्तन और 03 दोहरीकरण) स्वीकृत की गई हैं, जिनमें से 665 किलोमीटर लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च, 2025 तक 7,591 करोड़ रुपए का व्यय किया गया है। इसका सार निम्नानुसार है: -

योजना शीर्ष	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (किलोमीटर में)	कमीशन की गई लंबाई (किलोमीटर में)	मार्च 2025 तक व्यय (करोड़ रुपए में)
नई लाइन	9	812	24	1,337
आमान परिवर्तन	3	748	604	3,471
दोहरीकरण/मल्टीट्रैकिंग	3	140	37	2,783
कुल	15	1700	665	7,591

तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली कुछ परियोजनाएं, जिन्हें हाल ही में पूरा किया गया है, का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

क्र. सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रु. में)
1	डिंडीगुल पलानी पोलाची आमान परिवर्तन (121 किलोमीटर)	610
2	पोलाची पालघाट आमान परिवर्तन (56 किलोमीटर)	350
3	पोलाची पोत्तनूर आमान परिवर्तन (40 किलोमीटर)	400
4	क्विलोन-तिरुनेलवेली-तिरुचेंदुर आमान परिवर्तन (357 किलोमीटर)	1122
5	मयिलादुतुरई-थिरुवरुर-कराइक्कुडी आमान परिवर्तन (187 किलोमीटर)	1338
6	मदुरै-बोडियाकन्नूर आमान परिवर्तन (90 किलोमीटर)	593
7	चेंगलपट्टू विल्लुपुरम दोहरीकरण (102 किलोमीटर)	670
8	तिरुवल्लुर-अराक्कोनम चौथी लाइन (27 किलोमीटर)	83
9	चेन्नई सेंट्रल-बेसिन ब्रिज दोहरीकरण (2 किलोमीटर)	31
10	तंजावुर-पोनमलाई - दोहरीकरण (48 किलोमीटर)	370

11	विल्लुपुरम-डिंडीगुल दोहरीकरण (273 किलोमीटर)	2000
12	चेन्नई बीच-कोरुक्कुपेट तीसरी लाइन (5 किलोमीटर)	168
13	चेन्नई बीच-अट्टीपट्टू चौथी लाइन (22 किलोमीटर)	293
14	ओमलुर-मेत्तूरडैम कहीं-कहीं दोहरीकरण (29 किलोमीटर)	327
15	चेंगलपट्टू-विल्लुपुरम और तांबरम-चेंगलपट्टू - तीसरी लाइन (133 किलोमीटर)	1122
16	सलेम-मैग्नेसाइट जंक्शन-ओमालुर दोहरीकरण (11 किलोमीटर)	115
17	मदुरै- मनियाची-तूतीकोरिन दोहरीकरण (160 किलोमीटर)	1891
18	मनियाची-नागरकोइल दोहरीकरण (102 किलोमीटर)	1752
19	चेन्नई बीच- चेन्नई एग्मोर दोहरीकरण (4 किलोमीटर)	272

तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली कुछ चालू परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

क्र.सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रु. में)
1	टिंडीवनम-नगरी नई लाइन (184 किलोमीटर)	3631
2	मोरप्पुर-धर्मपुरी नई लाइन (36 किलोमीटर)	359
3	नागपट्टिनम - तिरुतुरईपुंडी नई लाइन (43 किलोमीटर)	742
4	कराईकल-पेरलम नई लाइन (23 किलोमीटर)	373
5	तिरूवनंतपुरम- कन्याकुमारी- दोहरीकरण (87 किलोमीटर)	3785
6	तीसरी और चौथी लाइन अराक्कोनम यार्ड (6 किलोमीटर)	98

तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली महत्वपूर्ण अवसंरचना परियोजनाओं का निष्पादन भूमि अधिग्रहण में विलंब के कारण रुका हुआ है। तमिलनाडु में भूमि अधिग्रहण की स्थिति निम्नानुसार हैः-

तमिलनाडु में परियोजनाओं के लिए कुल अपेक्षित भूमि	4315 हेक्टेयर
अधिगृहीत की गई भूमि	1038 हेक्टेयर (24%)
अधिग्रहण हेतु शेष भूमि	3277 हेक्टेयर (76%)

भूमि अधिग्रहण में तेजी लाने के लिए तमिलनाडु सरकार के सहयोग की आवश्यकता है।

भूमि अधिग्रहण के कारण विलंबित हुई कुछ महत्वपूर्ण परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

क्र.सं.	परियोजना का नाम	कुल अपेक्षित भूमि (हेक्टेयर में)	अधिगृहीत की गई भूमि (हेक्टेयर में)	अधिग्रहण हेतु शेष भूमि (हेक्टेयर में)
1.	तिंडीवनम-तिरुवण्णामलै नई लाइन (71 किलोमीटर)	273	33	240
2.	अतिपट्टू-पुत्तुर नई लाइन (88 किलोमीटर)	189	0	189
3.	मोरप्पुर-धर्मपुरी (36 किलोमीटर)	93	42	51
4.	मन्नारगुडी-पट्टुकोट्टई (41 किलोमीटर)	196	0	196
5.	तंजावूर-पट्टुकोट्टई (52 किलोमीटर)	152	0	152

भारत सरकार परियोजनाओं के निष्पादन के लिए तैयार है, तथापि इनकी सफलता तमिलनाडु सरकार के सहयोग पर निर्भर करती है।

रेल परियोजनाओं का पूरा होना राज्य सरकार द्वारा शीघ्र भूमि अधिग्रहण, वन विभाग के पदाधिकारियों द्वारा वन संबंधी स्वीकृति, अतिलंघनकारी जनोपयोगी सेवाओं का स्थानांतरण, विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियां, क्षेत्र की भूविज्ञानी और स्थलाकृतिक परिस्थितियां, परियोजनाओं के क्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति, परियोजना कार्य स्थल विशेष के लिए वर्ष में कार्य के महीनों की संख्या आदि जैसे विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है। ये सभी कारक परियोजनाओं के समापन समय व लागत को प्रभावित करते हैं।

*****